केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

इस प्रश्नपत्र में से कम या ज्यादा मात्रा में प्रश्न दिनांक ७ मार्च, २०१० को होनेवाली मुख्य परीक्षा में भी पूछे जाने की संभावना है ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा

पूर्व कसौटी : सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - २

जनवरी, २०१० **समय : दौपहर २.०० से ५.००** **कुल गुणांक : १००**

स्वामिनारायण BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत कीजिए ।**

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

दिनांक महीना वर्ष

परीक्षार्थी का जन्म दिन ☐☐ ☐☐ ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर .....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (९)	
	३ (८)	
	४ (६)	
	५ (५)	
	६ (५)	
	७ (८)	
	८ (६)	
विभाग-१, कुल गुण		

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (९)	
	११ (८)	
	१२ (६)	
	१३ (४)	
	१४ (८)	
विभाग-२, कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ શબ્દોમાં . . . . . .

ચેક૨ - નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।

२. **बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

३. दायीं ओर दिए गए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

४. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।

५. मुख्य परीक्षा में उत्तरवही के ईलावा अतिरिक्त पनों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहि होंगे ।

६. **परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।**

७. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'डमी राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद मानी जाएगी ।

८. **परीक्षा खंड के बाहर** और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''हमारा तो प्रतिशोध लेने का स्वभाव ही नहीं है ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''सांख्ययोगी, कर्मयोगी सभी हरिजन निकलना, हमें प्रसन्नता होगी ।''

३. ''आप भगवान हैं और आपके चरणों मे हीं अड़सठ तीर्थ समाए हुए हैं ।''

प्र. २ निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (बारह पंक्ति में) **(९)**

१. महाराजने कहा इन कच्छियों ने अभी तक हमारा पीछा नहीं छोड़ा ।

२. राजाभाई को संसार में रहने से कोई फायदा दिखाई न दीया ।

३. वेदरस श्रीजीमहाराज के रहस्यरूप और उपनिषद् का भी रहस्य ग्रंथ है ।

४. डोसाभाई त्यागी के वस्त्र धारण कर गढ़डा आ गए ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८)**

१. ध्यान । **अथवा** २. आज्ञा ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

३. सोमला खाचर । **अथवा** ४. सुरा खाचर ।

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. जेठा मेर और उनकी पत्नी कब से ब्रह्मचर्य व्रत का पालन करते थे ?

.....

.....

२. अनंत कोटी ब्रह्मांड में श्रीजीमहाराज जैसा किसी में क्या नहीं है ?

३. श्रीजीमहाराज जेतलपुर की गली गली में किस लिए घूम रहे थे ?

४. नित्य तीर्थ किस को कहा जाता है ?

५. श्रीजीमहाराज ज्यादा वक़्त नही रूक सकते यह जानकर रामबाईने क्या किया ?

६. दूसरी मानसी पूजा कब करनी चाहिए ?

प्र. ५ 'नंद राजा को संपूर्ण पृथ्वी का .....' – **'स्वामी की बात' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।** **(५)**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से विषय के अनुरूप केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य ढूँढ़कर सिर्फ़ उसके नंबर लिखें । **(५)**

विषय : स्वयंप्रकाशानंद स्वामी ।

१. 'सोरठ देश में कोई जीवनमुक्ता प्रकट हुए हैं' ऐसा महंत ने कहा । **२.** आश्रम के महंत अन्दर कमरे में विराजमान थे । **३.** महंत ने देखा की जब तक उनके शिष्य बातें करते रहे, तब तक वह प्रकाश छाया रहा, बातें बंद करते ही प्रकाश भी अदृश्य हो गया । **४.** महंत दस-बार शिष्यों के साथ सोमनाथ की यात्रा पर नीकल पड़े। **५.** लोज में श्रीजीमहाराज के दर्शन मात्र से महंत के शिष्य को समाधि लग गई । **६.** समाधि में उन्होंने बद्रिकाश्रम में नरनारायण, श्वेतद्वीप में वासुदेव नारायण तथा गोलोक में राधाकृष्ण के दर्शन हुए । **७.** भगवान स्वामिनारायण ने गुरुजी को पूछा 'तुम्हारे शिष्य को पहले कभी ऐसा हुआ था ?' **८.** महाराज ने महंत को भिक्षान्न दिया । **९.** महंत ने पाँच सौ स्वर्ण मुद्रा शिष्यों को दी और श्रीजीमहाराज के पास दीक्षा लेकर स्वयंप्रकाशानंद बने । **१०.** श्रीजीमहाराज ने ग.अं. २२ वें वचनामृत में स्वयंप्रकाशानंद की प्रशंसा की है ।

केवल नंबर – ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र. ७ निम्नलिखित पंक्ति को पूर्ण कीजिए । **(८)**

१. जयसि त्वं भजत .....

.....

..... दृष्टि पामी ।

२. शिर पर पुष्पनो ..... शोभे घणेरां ।

३. सत्संगी जे तमारा कहावे ..... अमने न नडे ।

४. वहाला ए रसना ..... मनमां गमे रे लोल ।

प्र. ८ निम्नलिखित कीर्तन / अष्टक / श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । **(६)**

१. जनमंगलस्तोत्रम् : ॐ श्री बृहद्व्रतधराय नम .....

.....

.....ॐ श्री जितेन्द्रियाय नमः ॥

२. मायामयाकृति ..... शरणं प्रपद्ये ॥

३. धर्मस्त्याज्यो न कैश्चित् ..... निजान धार्मिको नीलकण्ठ : ॥ - **श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।**

विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । **(९)**

१. ''आज आपने लोभी के घर भोजन किया हैं ।''

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

.....

.....

२. ''मैं तो यों ही चला आया हूँ ।''

३. ''मैं ने आपको मना की थी, फिर भी घास लेने क्यों गए ?''

प्र.१० निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में कारण लिखिए । (नौ पंक्ति में) **(९)**

१. खंभात के नवाबने सुतरफेनी का भोजन करवाया ।

२. सत्संग में कुछ उपाधि का प्रारंभ हो चुका था ।

३. मुक्तानंद स्वामीने गुणातीतानंद स्वामी को प्रसाद देना बंद किया ।

४. माधवजी दवे के घर स्वामीने उस रात पधरावनी की ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.११ निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषय पर प्रमाणसर टिप्पणी लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(८)**

१. स्वामी उपशम स्थिति में । २. खारे जीव को मीठा किया । ३. दरिद्रता मिटाई ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र.१२ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । **(६)**

१. सूरत से स्वामी कौन कौन सी चीज़ें लेकर महाराज के पास पहुँचे ?

.....

.....

२. ब्रह्मभाव किसने प्राप्त किया था ?

३. छोटेभाई सुंदरजी के साथ खेलते समय मूलजी क्या करते थे ?

४. कारियाणी में संतों ने स्वामी को उत्सव पर जाने की अनुमति देते हुए क्या प्रस्ताव रखा ?

५. स्वामीने किस वर्ष में छत के नीचे खडे रह कर महाराज का दर्शन किया ?

६. गुणातीतानंद स्वामी के जमान होते हुए महाराजने क्या कहा ?

प्र.१३ निम्नलिखित किन्हीं <u>एक</u> प्रसंग को संक्षिप्त में बयानकर भावार्थ लिखिए । (बारह पंक्तियों में) **(४)**

१. संत पारस चंदन बावना । २. बाजारु काँटे । ३. निश्चय कराया ।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

भावार्थ :.....

.....

.....

प्र.१४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानन्द स्वामी की कृपा से कौन रंक से राय बन गए ?

(१) ☐ मुंजा सूरु (२) ☐ बहाऊदीन

(३) ☐ वालजी (४) ☐ मावजीभाई

२. गुणातीतानन्द स्वामी को जुनागढ़ के महंत पद पर नियुक्त किए तब श्रीजीमहाराज ने किस तरह प्रसन्नता बताई ?

(१) ☐ बाईस बार गले लगाया । (२) ☐ अपने वस्त्र प्रसाद के रूप में दिए ।

(३) ☐ तमाम हार पहना दिए । (४) ☐ थाल दिया ।

३. स्वामी का आदर्श जीवन ।

(१) ☐ चौका पानी करते थे ।

(२) ☐ संत के आसन पर सबको प्रणाम करने जाते थे ।

(३) ☐ बीमार संतों की देखभाल स्वयं करते थे ।

(४) ☐ हरेक को कथा के बाद ही सेवा करने के लिए कहते थे ।

४. श्रीजीमहाराज की आज्ञा से गुणातीतानन्द स्वामी बीमार संतों की सेवा में कहाँ कहाँ रुके ?

(१) ☐ सुरत शहर में (२) ☐ धरमपुर

(३) ☐ वरताल (४) ☐ कारियाणी

* * *